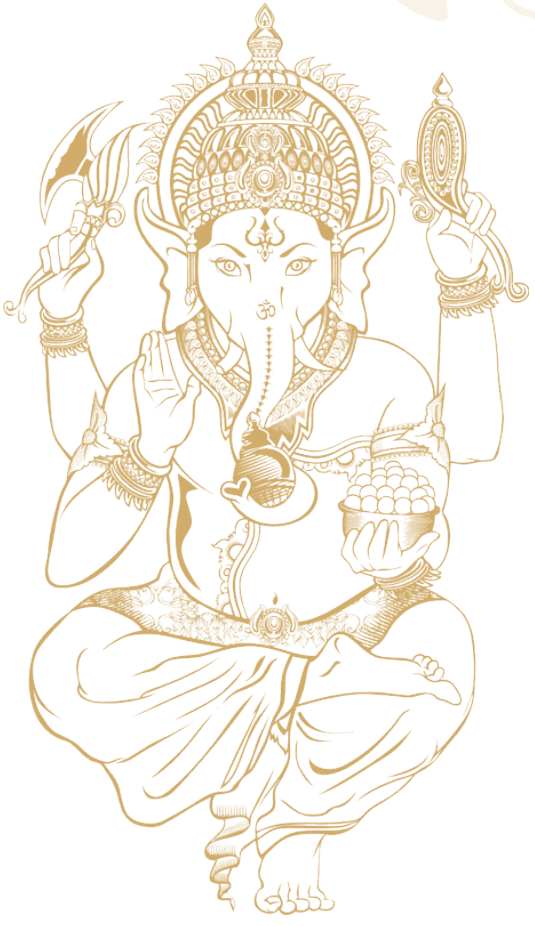

shrishti

14 Oct 1997

07:20 AM

Mirzapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121358903

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14/10/1997**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**07:20:00 घंटे**
इष्ट	03:25:54 घटी
स्थान	**Mirzapur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:09:00 उत्तर
रेखांश	82:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:20:16 घंटे
वेलान्तर	00:13:58 घंटे
साम्पातिक काल	08:50:53 घंटे
सूर्योदय	05:57:38 घंटे
सूर्यास्त	17:33:39 घंटे
दिनमान	11:36:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:55:57 कन्या
लग्न के अंश	14:25:03 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वृद्धि
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	दा-दामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:25:03	316:53:25	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			कन्या	26:55:57	00:59:25	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	सम राशि
चंद्र			कुंभ	27:40:42	14:58:28	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृश्चि	16:54:57	00:43:11	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	स्वराशि
बुध		अ	कन्या	27:04:33	01:42:24	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	स्वराशि
गुरु			मक	18:19:30	00:01:10	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			वृश्चि	12:31:51	01:06:07	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	सम राशि
शनि	व		मीन	22:46:33	00:04:43	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	25:40:28	00:00:12	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	25:40:28	00:00:12	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	10:54:43	00:00:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप			मक	03:21:44	00:00:10	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	10:01:01	00:01:51	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	16:26:49	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:29

लग्न-चलित

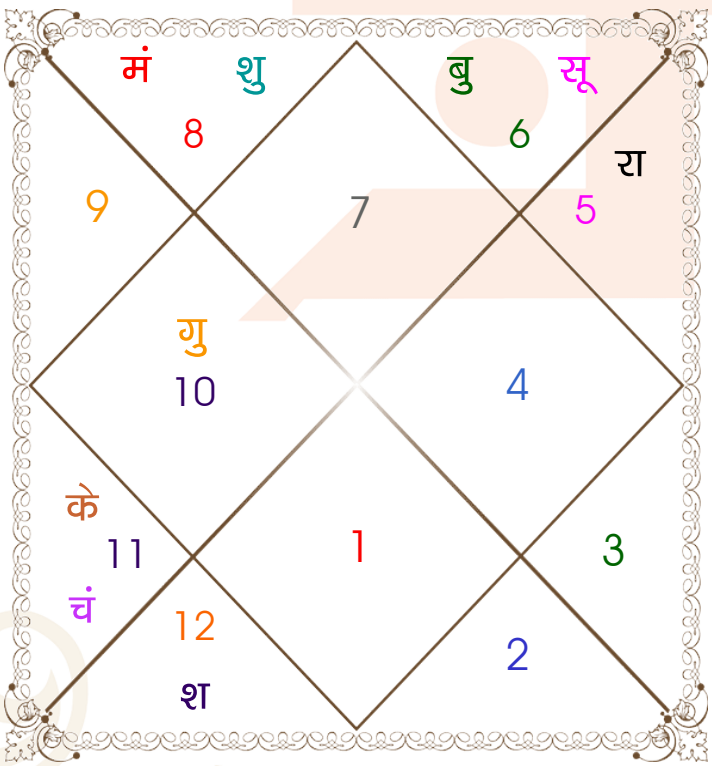

चन्द्र कुंडली

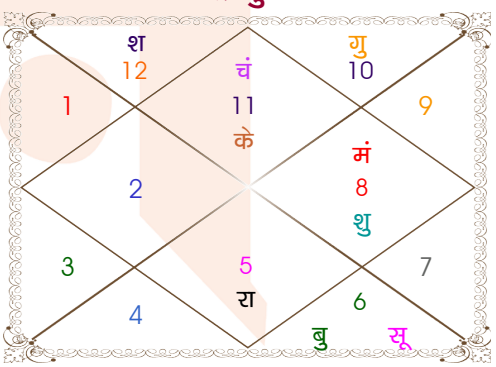

नवमांश कुंडली

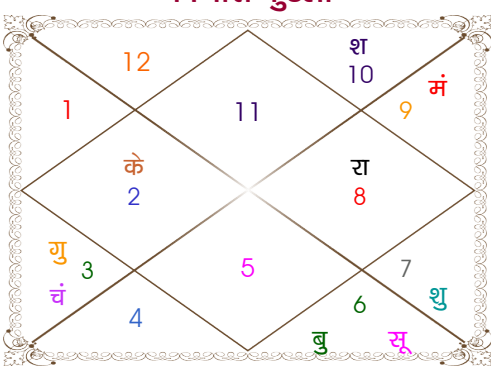

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 9 मास 13 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
14/10/1997		27/07/2004		28/07/2023		27/07/2040		28/07/2047	
27/07/2004		28/07/2023		27/07/2040		28/07/2047		28/07/2067	
	00/00/0000	शनि	31/07/2007	बुध	24/12/2025	केतु	24/12/2040	शुक्र	27/11/2050
	00/00/0000	बुध	09/04/2010	केतु	21/12/2026	शुक्र	23/02/2042	सूर्य	27/11/2051
	00/00/0000	केतु	19/05/2011	शुक्र	21/10/2029	सूर्य	30/06/2042	चंद्र	28/07/2053
	14/10/1997	शुक्र	19/07/2014	सूर्य	27/08/2030	चंद्र	30/01/2043	मंगल	27/09/2054
शुक्र	08/02/1999	सूर्य	01/07/2015	चंद्र	27/01/2032	मंगल	28/06/2043	राहु	27/09/2057
सूर्य	27/11/1999	चंद्र	29/01/2017	मंगल	23/01/2033	राहु	15/07/2044	गुरु	28/05/2060
चंद्र	28/03/2001	मंगल	10/03/2018	राहु	12/08/2035	गुरु	21/06/2045	शनि	28/07/2063
मंगल	04/03/2002	राहु	14/01/2021	गुरु	17/11/2037	शनि	31/07/2046	बुध	28/05/2066
राहु	27/07/2004	गुरु	28/07/2023	शनि	27/07/2040	बुध	28/07/2047	केतु	28/07/2067

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/07/2067		28/07/2073		28/07/2083		28/07/2090		28/07/2108	
28/07/2073		28/07/2083		28/07/2090		28/07/2108		00/00/0000	
सूर्य	15/11/2067	चंद्र	28/05/2074	मंगल	24/12/2083	राहु	09/04/2093	गुरु	16/09/2110
चंद्र	15/05/2068	मंगल	27/12/2074	राहु	11/01/2085	गुरु	03/09/2095	शनि	29/03/2113
मंगल	20/09/2068	राहु	27/06/2076	गुरु	18/12/2085	शनि	10/07/2098	बुध	05/07/2115
राहु	15/08/2069	गुरु	27/10/2077	शनि	27/01/2087	बुध	27/01/2101	केतु	10/06/2116
गुरु	03/06/2070	शनि	28/05/2079	बुध	24/01/2088	केतु	15/02/2102	शुक्र	15/10/2117
शनि	16/05/2071	बुध	27/10/2080	केतु	21/06/2088	शुक्र	14/02/2105		00/00/0000
बुध	22/03/2072	केतु	28/05/2081	शुक्र	21/08/2089	सूर्य	09/01/2106		00/00/0000
केतु	27/07/2072	शुक्र	27/01/2083	सूर्य	27/12/2089	चंद्र	11/07/2107		00/00/0000
शुक्र	28/07/2073	सूर्य	28/07/2083	चंद्र	28/07/2090	मंगल	28/07/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 9 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।